



अधिकतम 23.0 डिग्री  
न्यूनतम 9.0 डिग्री

# जींद-कैथल मूर्ति

रोहतक, रविवार 8 फरवरी 2026

11 ग्रामीण विद्यालय शिक्षा, संस्कार और राष्ट्र.....



11 योजना तैयार कर प्रभावी रूप से लागू करें: वशिष्ठ



**खबर संक्षेप**

**प्लाट पर पांच लोगों का कब्जा करने का प्रयास**  
कैथल। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक महिला के प्लाट पर कब्जा करने के आरोप में पांच युवकों को नामजद किया है। सिविल लाइन थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव तारागढ़ निवासी नीलम चौधरी ने बताया कि उसने सिविल लाइन थाना क्षेत्र की एक कालोनी में 2017 में प्लाट खरीदा था। वह प्लाट 154 वर्गफुट का है।

**कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल**  
कैथल। गांव खानपुर में कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। सीवन थाना पुलिस को दी शिकायत में खानपुर के दीपक ने बताया कि तीन फरवरी को वह व उसका भानजा नसीब सामान लेने उनके गांव में ही दुकान पर गए हुए थे। उसके भानजे को उसने पैसे देकर दुकान से सामान लाने की कहा।

**मारपीट कर नकदी व सोने की अंगूठी छीनी**  
कैथल। अज्ञात युवकों ने एक व्यक्ति से मारपीट कर 82 हजार 330 रुपये व सोने की अंगूठी छीन ली। राजौंद थाना में पुलिस ने शिकायतकर्ता की पत्नी, सास व अन्य चार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव पाई गेट पूंडरी के दिलावर ने बताया कि उसकी पत्नी रितु ने खर्चों का केस किया हुआ है।

**गांव संडील में आज देशभक्त किसान चौपाल**  
उचाना। छात्र मंडल अध्यक्ष श्रवण मांडी ने 8 फरवरी को देशभक्त किसान चौपाल का आयोजन होगा। छात्र मंडल के विभिन्न गांव-गांव जाकर इसको लेकर निमंत्रण दिया। श्रवण मांडी ने कहा कि भाजपा किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने तथा उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से देशभक्त किसान चौपाल का आयोजन कर रही है।

**पशु चोरी के मामले में आरोपी दबोचा**  
कैथल। थाना सदर अंतर्गत क्षेत्र से पशु चोरी मामले की जांच एंटी व्हीकल थैप्ट स्टफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एसआई ईशम सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव धनोली जिला करनाल निवासी विशाल को गिरफ्तार कर लिया गया।

**कातिलाना हमला कर चोटे मारने का आरोप**  
कैथल। सीआईए-1 व पीओ पकड़ो स्टॉफ द्वारा अलग अलग 3 मामले में 3 उद्घोषित आरोपियों को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए-1 प्रभारी एसआई जसवंत की अगुवाई में एससी धनपत की टीम द्वारा आरोपी चौका निवासी सन्नी उर्फ सेंडी को काबू किया गया। आरोपी सन्नी पर 24 सितंबर 2022 को अपने साथियों के साथ मिलकर टूट कर न्याय चोका में एक व्यक्ति पर कातिलाना हमला करके चोटे मारने का आरोप है।

**बाइक सवार तीन युवकों पर मारपीट का आरोप**  
कैथल। गांव बालू में बाइक सवार तीन अज्ञात युवकों ने एक युवक से मारपीट कर मोबाइल और पर्स छीन लिया और फरार हो गए। मामले में कलायत थाना पुलिस ने तीन अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**कलायत: नशा तस्क़र से गांजा बरामद**  
कलायत। क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार पुलिस ने हटाने की कोशिश की। नशा तस्क़रों में हड़कंप मचा है। मामले में पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने वार्ड नंबर 2 में गांजा स्पलाई से जुड़े नेटवर्क को काबू कर सफलता हासिल की है।

## 70 दिनों बाद गांव सिसला के युवक का अंतिम संस्कार, बोले परिजन गमगीन आंखों से दी जगदीप को अंतिम विदाई

शनिवार को स्पेन से कैथल पहुंचा युवक का शव

हरिभूमि न्यूज कैथल

हे भगवान, ऐसी मौत किसी को भी न दे कि शव अंतिम संस्कार के लिए इंतजार करता रहे। कुछ ऐसा ही कहना था गांव सिसला में मृतक युवक जगदीप उर्फ दीपक के परिजनों का। बेटे के शव को देख उसकी मां मूर्ति देवी बार बार होश खो रही थी। मूर्ति देवी व दीपक की पत्नी की चौकार आसमान को छू रही थी तथा हर किसी की आंखें गमगीन थी। अधिकतर युवाओं की आंखों से आंसू टपक रहे थे। ग्रामीण महिलाएं मूर्ति को बार बार ढाँढस बंधा रही थीं लेकिन इसके बावजूद उनके आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। बता दें कि 29 नवंबर को स्पेन में हार्ट अटैक से मौत होने के उपरांत 27 वर्षीय जगदीप उर्फ दीपक शनिवार को उसके गांव सिसला पहुंचा। शनिवार दोपहर



कैथल। मृतक जगदीप का अंतिम संस्कार करते ग्रामीण तथा इनसेट में मृतक का फाइल फोटो। फोटो : हरिभूमि

उसका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में गांव के लोगों के अलावा आसपास के गांवों से भी लोग शामिल हुए। युवक के अंतिम संस्कार के दौरान परिजन व ग्रामीण फूट-फूट कर रोते दिखाई दिए। हर किसी की आंखें नम दिखाई दीं। परिजनों पर जहां एक ओर बेटे की मौत का पहाड़ टूटा था तो वहीं अब वे कर्ममंद भी होकर रह गए थे क्योंकि परिजनों को अपने लाडले का शव भी स्पेन से करीब 18 लाख रुपये खर्च करके वापस लाना पड़ा। हालांकि इससे पूर्व परिजनों व दीपक के कुछ साथियों ने सोशल

**लाडले का 18 लाख खर्च कर शव स्वदेश लाए परिजन**

मीडिया के माध्यम से राशि जुटाने का प्रयास किया था लेकिन राशि एकत्रित न होने पर अब परिजनों द्वारा ही अपने स्तर पर राशि का प्रबंध करना पड़ा।

बता दें कि, गांव सिसला निवासी युवक जगदीप करीब 11 माह पहले हृदय उन्मील से स्पेन गया था कि वह वहां अच्छी कमाई करेगा, जिससे परिवार के हालात सुधरेगे। इसके लिए परिवार ने 18 लाख रुपये खर्च किए थे।

**29 नवंबर को स्पेन में हार्ट अटैक से मौत**

बताया जा रहा है कि दीपक के पिता से पहले ही साया उठ चुका था। घर में दीपक इकलौता कमाले वाला था। परिवार को भली हालत ठीक करने को लेकर ही वह करीब 11 माह पहले जर्मनी बेवकर व कर्ज लेकर स्पेन गया था। वहां वह काम पर भी लगा गया था। दीपक की मां, पत्नी व बच्चों को अच्छे दिन आने की आस जगी थी लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था कि 29 नवंबर को दीपक की मौत की सूचना मिली।

**पूरा गांव उमड़ा अंतिम दर्शन करने के लिए**

अब परिवार में उसकी मां, पत्नी व दो बच्चे हैं। यही नहीं दीपक तीन बहनों का इकलौता भाई था। जगदीप को 4 साल का बेटा व 6 माह की बेटा है जो अपने पिता की राह ताक रहे थे। ग्रामीणों को शुकवार को ही दीपक के शव का गांव पहुंचने पर सूचना मिल गई थी। इसलिए सभी ग्रामीण अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटे थे। जैसे ही दोपहर के समय दीपक का शव गांव पहुंचा तो पूरा गांव उनके अंतिम दर्शन के उमड़ पड़ा। हर किसी की आंखें गमगीन थीं। सभी दीपक के मिलनसार स्वभाव की बात कर रहे थे।

परिजनों को 29 नवंबर को सूचना मिली कि जगदीप उर्फ दीपक की काम करते समय अचानक से हार्ट अटैक से मौत हो गई। तभी से उसका शव वहाँ पर था। परिवार के सदस्य सरकार से भी शव लाने के लिए गुहार लगा रहे थे।

## आठ पिस्तौल तथा तीन जिंदा कारतूस के साथ तीन दबोचे

■ एक युवक के पिट्टू बैग से पांच पिस्तौल तो दूसरे के कब्जे से दो पिस्तौल तथा तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। संबंधित थाना पुलिस ने पकड़े गए तीनों युवकों के खिलाफ शत्रु अधिनियम के तहत मामला दर्ज किए हैं। असलहा कहां स्पलाई करना था, आया कहां से था, कौन-कौन लोग अवैध असलहा कारोबार से जुड़े हुए हैं के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

■ जुलाना थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ दर्ज किए मामले, पूछताछ जारी

हरिभूमि न्यूज जौंद



**अवैध असलहे के साथ खड़ा युवक पकड़ा**

सीआईए स्टॉफ कर्मी गांव शमलो कला रोड पर गश्त कर रहे थे। उसी दौरान एक युवक खड़ा दिखाई दिया। जो पुलिस पार्टी को देख कर जाने लगा। पुलिस कर्मियों ने युवक को रोक कर तलाशी ली तो दो पिस्तौल तथा तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस पूछताछ में युवक की पहचान गांव नीरण खड़ा सोनीपत निवासी विजय उर्फ सरपंच के रूप में हुई।

**पिस्तौल के साथ एक चढ़ा पुलिस के हत्ये**

एटी व्हीकल थैप्ट स्टॉफ कर्मी गांव सिरसाखेड़ी रोड पर अपराध रोकने के सिलसिले में गश्त कर रहे थे। गांव के निकट ही एक युवक पुलिस पार्टी को देख कर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर युवक को काबू कर लिया।

## ट्रक की टक्कर से कार चालक की मौत कार की टक्कर से बाइक के साथ खड़े दो की मौत

गांव गतौली के निकट बीती रात दर्दनाक सड़क हादसा

**जुलाना।** जुलाना क्षेत्र के गतौली गांव के पास बीती रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जिसमें कार और ट्रक की जोरदार टक्कर में कार चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान जौंद जिले के झांझ खुर्द गांव निवासी 23 वर्षीय अमन के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और चालक कार में ही बुरी तरह फंस गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर हालत में उसे जौंद के सामान्य अस्पताल भिजवाया। हालांकि रास्ते में ही अमन ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर



**मामले की जांच जारी**

गतौली चौकी इंवांज संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गतौली पुल के उपर ट्रक और कार की टक्कर हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जौंद के सामान्य अस्पताल भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

■ गांव नगुरां बिजली घर के निकट असंध मार्ग पर हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज जौंद

गांव नगुरां बिजली घर के निकट नगुरां-असंध मार्ग पर बीती रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक के पास खड़े दो लोगों की मौत हो गई। अलेवा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव हसनपुर निवासी कृष्ण (38) तथा गांव लिजवाना कलां निवासी धर्मवीर (44) बीती रात बाइक पर सवार हो कर गांव हसनपुर जा रहे थे। गांव नगुरां से



शवों का पोस्टमार्टम करवाने आए परिजन।

निकल कर बिजली घर के निकट दोनों शौच कर बाइक के पास खड़े थे। उसी दौरान असंध की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने दोनों को टक्कर मार दी। जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को

**मामले की जांच जारी**

अलेवा थाना के जांच अधिकारी कृष्ण ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया है। फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

अंजाम देकर चालक कार समेत मौके से फरार हो गए। राहगीरों ने दोनों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर अलेवा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। मृतक कृष्ण के बेटे रोहित ने पुलिस को बताया कि उसके पिता गांव नगुरां तथा अलेवा में सैलून चलाते थे। शुक्रवार को उसके पिता गांव नगुरां

**महिला ने संदिग्ध हालातों में फंदा लगा कर खुदकुशी की**

जौंद। गांव खेड़ाखेमावती में महिला के संदिग्ध हालातों में फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। स्वर्धन थाना सफाई पुलिस ने मृतका के भाई की शिकायत पर पति समेत आठ लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव खेड़ा खेमावती निवासी सोनू की पत्नी कविता (35) ने संदिग्ध हालात में अपने घर में फंदा लगा कर आत्महत्या की घटना की सूचना पाकर सदर थाना सफाई पुलिस तथा नायक पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए और हालातों का जायजा लिया। मृतका के भाई गीता कालोनी पौजोपत निवासी दीपक ने पुलिस को दी शिकायत में उसकी बहन कविता की शादी वर्ष 2012 में गांव खेड़ा खेमावती निवासी सोनू के साथ हुई थी। शादी के बाद से सोनू तथा उसके परिजन कविता को प्रताड़ित करते थे।

## इंस्टाग्राम पर लड़की के नाम से आईडी बनाकर ठगी करने का आरोपी दबोचा

हरिभूमि न्यूज जौंद

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर लड़की के नाम से आईडी बना कर लोगों से ठगी करने के तीसरे आरोपित को साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से पुलिस ने 22 हजार रुपये की नकदी भी बरामद की है। पुलिस इससे पहले एक जनवरी को दो आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। उनसे पुलिस ने 23 हजार 500 रुपये बरामद किए थे। तीसरे आरोपित की पहचान फरीदाबाद की पर्वतीय कालोनी निवासी राहुल के रूप में हुई। राहुल को पुलिस ने अदालत में

बनाकर अंकित से तीन लाख 51 हजार 490 रुपये ठग लिए। दूसरा व्यक्ति लड़की का पिता बनकर अंकित को जल्द ही पैसे लौटाने की बात कर देता। ऐसे में काफी समय बीत गया लेकिन अंकित के पैसे वापस नहीं मिले। इसके बाद ही उसे ठगी का एहसास हुआ। साइबर थाना पुलिस ने अंकित की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस ने संबंधित इंस्टाग्राम आईडी की डिटेल निकलवाई और उसके केवाईसी विवरण के आधार पर आरोपितों की पहचान की।



सीवन। गांव खानपुर में ग्रामीणों से मिलते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

**सरकार की नीतियों का प्रचार-प्रसार करें: सैनी**

सीवन। हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कैथल से पंजाब की ओर जाते समय गांव खानपुर में कुछ देर के लिए ठहरे। इस दौरान गांव की सड़क अमनदीप कौर, भाजपा जिला कार्यार्थ के सह-प्रभारी सोनू सैनी, माईट कमेटी सीवन के वेयरमैन शमशेर सैनी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोनू सैनी और शमशेर सैनी द्वारा संगठन और समाज के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते कहां कि ऐसे कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं, जो सरकार और जनता के बीच सेतु बनकर कार्य करते हैं। कहां कि संघर्ष जमीनी स्तर पर सक्रिय और समाजिक कार्यकर्ताओं से ही संभव है। मुख्यमंत्री ने संबोधन में कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए बनाई गई हैं और उनका जौन लाम आमजन तक पहुंच रहा है। कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे गांव-गांव और घर-घर जाकर सरकार की योजनाओं, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी लोगों तक पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से भी संबोधन किया।

## जौंद की खुशबू मलिक, आशीष गोयत और कोच राजपाल ने रचा इतिहास

## एशियन लैक्रोस चैंपियनशिप में भारत की डबल जीत

हरिभूमि न्यूज जौंद

सऊदी अरब के रियाद शहर में चल रही एशियन लैक्रोस चैंपियनशिप में भारतीय लैक्रोस टीमों ने इतिहास रचते डबल जीत दर्ज की है। भारतीय महिला टीम ने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाक को एकतरफा मुकाबले में 20-9 के अंतर से पराजित कर दिया। जबकि पुरुष टीम ने इराक को रोमांचक संघर्ष में 7-5 से हराकर भारत का तिरंगा लहराया। इसमें जौंद का योगदान उल्लेखनीय रहा। जौंद के पटियाला चौक निवासी खुशबू मलिक और गांव पड़वाली खेड़ा निवासी आशीष गोयत ने अपने



जौंद। पदक दिखाते खुशबू व आशीष। फोटो : हरिभूमि

बेहतरीन और कई डिफेंस से विरोधी टीमों की आक्रमण पंक्ति को बार-बार रोकते टीम इंडिया की जीत की नांव रखी। दोनों खिलाड़ियों ने पूरे मैच के दौरान अनुशासित खेल, बेहतरीन पोजिशनिंग और मजबूत टैकल से कोचिंग स्टाफ व दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। इनके कोच

**विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी**

राजपाल ने हरियाणा के जनरल सेक्रेटरी डा. राजेश, जौंद लैक्रोस संघ के अध्यक्ष सोमनाथ सैनी तथा अपने गुरु जितेंद्र बांगड को श्रेय दिया है। स्थानीय खेल विशेषज्ञों का मानना है कि एशियन लैक्रोस चैंपियनशिप में भारत की यह डबल जीत आने वाले वर्षों में देश में लैक्रोस के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। रियाद के टैक्निकल कालेज स्टेडियम में टीम इंडिया के प्रदर्शन में साफ संकेत दे दिया है कि अगर इसी जोश और समर्पण के साथ भारतीय खिलाड़ी आगे बढ़ते रहें तो मध्यम में एशिया ही नहीं विश्व स्तर पर भी भारत लैक्रोस की उभरती महाशक्ति बनकर उभरेगा।

राजपाल ने भी इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में नया मील का पत्थर खू लिया। उन्होंने सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में बतौर असिस्टेंट रेफरी आफिशिएट किया।

**ये रहे मौजूद**

लैक्रोस संघ के जिला प्रधान सोमनाथ सैनी ने बताया कि दोनों खिलाड़ियों खुशबू मलिक, आशीष गोयत व कोच राजपाल का भारत पहुंचने पर रविवार को जुलाना में स्वागत किया जाएगा।

## कैथल : एटीएम से पैसे निकलवाने की सहायता के बहाने ₹2.27 लाख ठगे

हरिभूमि न्यूज कैथल

चंदाना गेट पर श्री म्यारह रुदी मंदिर के पास बने एटीएम से अज्ञात ने पैसे निकलवाने की सहायता के बहाने 2.27 लाख की ठगी कर ली। मामले में सिटी थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिटी थाना में दी शिकायत में यूपी के अयोध्या जिले के गांव परसावा निवासी कन्हैया लाल ने बताया कि वह सिल्लाखंडा स्थित ओमविश्व राइस मिल में नौकरी करता है। उसका केनरा बैंक में खाता है। 24 जनवरी को कैथल के म्यारह रुदी मंदिर के पास बने पीएनबी के एटीएम में रुपये निकालने गया था। इसी दौरान वहां एक युवक आया, जिसने हेलमेट लगा रखा था। उसने मदद करने के बहाने एटीएम कार्ड ले लिया और मशीन में लगा दिया। फिर पासवर्ड डलवाकर एक हजार रुपये निकाल दिए। बाद में आरोपी ने कार्ड वापस कर दिया। 3 फरवरी को वह बैंक से पैसे निकालने गया तो पता चला कि उसके खाते से पहले ही बड़ी राशि निकाली जा चुकी है। जब उसने अपना कार्ड देखा तो वह बदला हुआ निकला। इस तरह आरोपी ने खाते से कुल 2 लाख 27 हजार 60 रुपये निकाल लिए। सिटी थाना के जांच अधिकारी रणदीप सिंह ने बताया कि शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## कंपाउंडिंग की ताकत समझें 5,500 की मासिक एसआईपी भी कर देगी लक्ष्य को पूरा

- कंपाउंडिंग में पैसा निवेश और रिटर्न दोनों पर बढ़ता है
- एसआईपी कंपाउंडिंग का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है
- 5,500 की मासिक एसआईपी से 10-12 साल में बनेगा बड़ा फंड
- समय और निरंतरता ही कंपाउंडिंग की असली ताकत



बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में अगर किसी एक सिद्धांत को सबसे ज्यादा ताकतवर माना जाता है, तो वह है कंपाउंडिंग। यही वह जादू है, जो छोटी-छोटी बचत को समय के साथ एक बड़े फंड में बदल देता है। खासतौर पर सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कंपाउंडिंग का प्रभाव और भी मजबूत हो जाता है। आज कई लोग यह सोचते हैं कि कम निवेश से बड़ा लक्ष्य कैसे पूरा होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर निवेश में समय, निरंतरता और धैर्य हो, तो 5,500 रुपये जैसी मामूली मासिक राशि भी भविष्य में बड़ा कॉर्पस बना सकती है। कंपाउंडिंग का अर्थ है कि आपका पैसा केवल आपकी लागाई गई राशि पर ही नहीं, बल्कि उस पर मिलने वाले रिटर्न पर भी रिटर्न कमाने लगता है। आसान शब्दों में कहें तो "ब्याज पर ब्याज" मिलता है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से बढ़ता चला जाता है। एसआईपी में यह प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती है क्योंकि आप हर महीने निवेश करते हैं और आपका पैसा लंबे समय तक बाजार में बना रहता है।

### एसआईपी से लक्ष्य तक पहुंचने का उदाहरण

- मान लीजिए आप हर महीने 5,500 की एसआईपी शुरू करते हैं और आपको औसतन 12% सालाना रिटर्न मिलता है (यह केवल अनुमान है, वास्तविक रिटर्न बाजार पर निर्भर करता है)।
- मासिक निवेश: 5,500 रुपये
- सालाना निवेश: 66,000 रुपये
- कुल निवेश (11 साल में): लगभग 7,26,000 रुपये
- अनुमानित रिटर्न: लगभग 7,24,000 रुपये
- कुल संभावित कॉर्पस: लगभग 14.5 लाख रुपये
- इस उदाहरण से साफ है कि 11 साल में आपका पैसा लगभग दोगुना हो सकता है, वह भी बिना किसी बड़ी एकमुश्त राशि के।

### कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

एसआईपी निवेश को आसान और अनुशासित बनाना है। आपकी बाजार के उतार-चढ़ाव की चिंता नहीं करनी पड़ती और निवेश अपने आप नियमित रूप से होता रहता है। समय के साथ, बाजार की गिरावट और तेजी दोनों का फायदा आपको मिलता है, जिसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है। एसआईपी खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, शादी या मेडिकल खर्च के लिए 6-15 साल के वित्तीय लक्ष्य के लिए धीरे-धीरे मजबूत फंड बनाना चाहते हैं।

**कंपाउंडिंग की ताकत इन बातों पर निर्भर**  
कंपाउंडिंग का असर तीन चीजों से तय होता है इसमें समय, निरंतर निवेश, और धैर्य। जितनी जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे और जितने लंबे समय तक निवेश बनाए रखेंगे, कंपाउंडिंग उतनी ही ताकतवर होगी। कंपाउंडिंग यह सिखाती है कि अभी बचने के लिए बड़ी रकम नहीं, बल्कि समय पर सही शुरूआत जरूरी होती है। 5,500 रुपये की एसआईपी जैसी छोटी शुरूआत भी, अगर लंबे समय तक जारी रखी जाए, तो भविष्य में आपको आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। एसआईपी और कंपाउंडिंग का मेल उन निवेशकों के लिए वरदान है, जो अनुशासन और धैर्य के साथ अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं।

# कम पूंजी में बड़ा फंड बनाने को एसआईपी के जरिये करें निवेश

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान से होगी नियमित बचत की आदत विकसित | हर माह तय राशि निवेश करें और बाजार की चिंता किए बिना लंबे समय का प्लान बनाएं | कम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न की संभावना रुपये की लागत औसत के कारण निवेश संतुलित

### बिजनेस डेस्क

आज के समय में जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आम बात हो गई है, ऐसे में आम निवेशक के लिए सुरक्षित और अनुशासित निवेश का रास्ता चुनना बेहद जरूरी हो गया है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी इसी जरूरत को पूरा करता है। एसआईपी ने खासतौर पर नए और मध्यम वर्ग के निवेशकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है, क्योंकि इसमें कम रकम से नियमित निवेश कर लंबी अवधि में मजबूत संपत्ति बनाई जा सकती है। एसआईपी के जरिए निवेशक हर महीने या तय समय अंतराल पर म्यूचुअल फंड में एक निश्चित राशि निवेश करता है। यह तरीका न केवल निवेश में अनुशासन लाता है, बल्कि बाजार की अस्थिरता से होने वाले जोखिम को भी काफी हद तक कम करता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ एसआईपी को लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे प्रभावी माध्यम मानते हैं। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि एसआईपी में निवेश कर कैसे आप कम पूंजी में बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक ऐसा तरीका है, जिसमें निवेशक एक निश्चित राशि को नियमित अंतराल जैसे मासिक, तिमाही या साप्ताहिक निवेश करता है। इसमें निवेशक को एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। एसआईपी अपने आप बैंक खाते से तय तारीख को कट जाती है और चुनी गई म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश हो जाती है। एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें बाजार की टाइमिंग करने की जरूरत नहीं पड़ती। बाजार ऊपर हो या नीचे, निवेश नियमित रूप से चलता रहता है। जब बाजार गिरता है, तब उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर जाता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। इस प्रक्रिया को रुपया लागत औसत कहा जाता है, जो लंबे समय में निवेश की औसत लागत को संतुलित करता है।



### कंपाउंडिंग का मिलता है लाभ

इसके अलावा एसआईपी में चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ भी मिलता है। निवेश से मिलने वाला रिटर्न दोबारा निवेश होता है, जिससे समय के साथ रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने लगता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाए और जितनी लंबी अवधि तक एसआईपी जारी रखी जाए, उतना ही अधिक फायदा मिलता है। एसआईपी की खास बात यह भी है कि इसे बहुत छोटी राशि से शुरू किया जा सकता है। आज कई म्यूचुअल फंड स्कीम में 500 या 1,000 रुपये प्रति माह से एसआईपी शुरू की जा सकती है, जिससे यह हर वर्ग के निवेशक के लिए सुलभ बन जाती है।

### एसआईपी में निवेश के फायदे

एसआईपी केवल निवेश का तरीका नहीं, बल्कि एक वित्तीय आदत है जो व्यक्ति को भविष्य के लिए तैयार करती है। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो जोखिम से बचते हुए धीरे-धीरे संपत्ति बनाना चाहते हैं। एसआईपी निवेशक को अनुशासन सिखाता है। तय तारीख पर निवेश होने से खर्चों पर नियंत्रण रहता है और बचत की आदत मजबूत होती है। इसके अलावा, एसआईपी भावनात्मक फैसलों से भी बचाता है। अक्सर निवेशक बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं और निवेश बंद कर देते हैं, लेकिन एसआईपी में नियमित निवेश से यह डर कम हो जाता है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर विविधीकरण का लाभ भी मिलता है।

### एसआईपी में निवेश क्यों करें

- नियमित और अनुशासित निवेश: एसआईपी निवेश में निरंतरता लाता है और बाजार की टाइमिंग की चिंता खत्म करता है।
- कम रकम से शुरूआत: 500 रुपये जैसी छोटी राशि से भी निवेश संभव, जिससे हर वर्ग के लोग निवेश कर सकते हैं।
- रुपया लागत औसत और चक्रवृद्धि का लाभ: बाजार के उतार-चढ़ाव में भी संतुलित रिटर्न और लंबी अवधि में तेज वृद्धि।
- विविधीकरण और कम लाभ: म्यूचुअल फंड के जरिए निवेशक कम और इंप्लायरएस से माध्यम से टेक्स में बचत।

### एसआईपी के ये भी लाभ

कर बचत की दृष्टि से भी एसआईपी फायदेमंद है। इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में एसआईपी के जरिए निवेश करने पर आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर में छूट मिलती है। इससे निवेश के साथ-साथ टैक्स प्लानिंग भी हो जाती है। लंबी अवधि में एसआईपी महंगाई को मात देने में मदद करता है। एक छोटी या पारंपरिक बचत योजनाओं की तुलना में इक्विटी आधारित एसआईपी अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखती है, जिससे भविष्य की जरूरतों जैसे बच्चों की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार किया जा सकता है।

### निवेश करना आसान

आज के डिजिटल युग में एसआईपी के जरिये निवेश करना बेहद आसान हो गया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, मोबाइल ऐप और एसआईपी कैलकुलेटर की मदद से निवेशक अपने लक्ष्य के अनुसार निवेश राशि और अवधि तय कर सकते हैं। एसआईपी कैलकुलेटर संभावित रिटर्न का अनुमान लगाकर निवेश की सही योजना बनाने में मदद करता है। कुल मिलाकर, एसआईपी उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प है जो कम जोखिम में, नियमित निवेश के जरिए लंबी अवधि में संपत्ति बनाना चाहते हैं। चाहे आप नौकरीपेशा हों, स्वरोजगार में हों या निवेश की शुरूआत कर रहे हों, एसआईपी हर किसी के लिए एक भरोसेमंद निवेश माध्यम है।

## एक साल के लिए निवेश करना है तो ये हो सकते हैं बेहतर विकल्प

बिजनेस डेस्क। जब भी निवेश की बात आती है, ज्यादातर लोग रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने जैसे लंबे समय के लक्ष्यों पर ध्यान देते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश भी उतना ही जरूरी होता है। इमरजेंसी फंड बनाना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए रकम जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है। केवल लंबी अवधि के निवेश पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। अचानक जरूरत पड़ने पर अगर आपके लॉन्ग-टर्म निवेश तोड़ना पड़े, तो नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में 1 साल तक के शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट विकल्प न सिर्फ पूंजी की सुरक्षा करते हैं, बल्कि सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न भी दे सकते हैं। अधिकांश लोग निवेश को लंबे समय के लक्ष्यों जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इमरजेंसी फंड तैयार करना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह पर रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए राशि जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है।

- 1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)**  
बैंक एफडी भारत में सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्पों में से एक है। 7 दिन से लेकर 1 साल तक के लिए एफडी करवाएं।  
**फायदे:** पूंजी की सुरक्षा, तय व सुनिश्चित रिटर्न, जोखिम ना के बराबर, सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग ब्याज दर देते हैं, इसलिए निवेश से पहले तुलना करना जरूरी है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट सुरक्षित विकल्प।
- 2. सेविंग अकाउंट स्वीप-इन एफडी**  
यह सुविधा सेविंग अकाउंट और एफडी का मिश्रण है। इसमें तय सीमा से ज्यादा पैसा अपने आप एफडी में चला जाता है।  
**फायदे:** जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से ज्यादा ब्याज ऑटोमैटिक और सुविधाजनक, यह विकल्प उन लोगों के लिए अच्छा है, जिन्हें लिक्विडिटी भी चाहिए और बेहतर रिटर्न भी।
- 3. रिटर्निंग डिपॉजिट (आरडी)**  
अगर आप एकमुश्त रकम निवेश नहीं करना चाहते, तो आरडी अच्छा विकल्प है। इसमें हर महीने एक तय राशि जमा की जाती है।  
**फायदे:** छोटी रकम से शुरूआत, नियमित बचत की आदत, सुरक्षित और स्थिर रिटर्न सैलरी वाले वाले निवेशकों के लिए यह विकल्प खासतौर पर उपयोगी है।
- 4. डेट म्यूचुअल फंड**  
डेट फंड सरकारी बॉन्ड, ट्रेजरी बिल और अच्छी क्वालिटी के कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश करते हैं।  
**1 साल के लिए उपयुक्त कैटेगरी:** शॉर्ट ट्रेजरी बॉन्ड फंड, मनी मार्केट फंड, लो डायरेक्शन फंड, इनमें एफडी से थोड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना होती है, हालांकि थोड़ा जोखिम भी रहता है।
- 5. लिक्विड फंड**  
लिक्विड फंड बहुत कम अवधि के लिए बनाए गए होते हैं, लेकिन 1 साल तक निवेश के लिए भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं।  
**फायदे:** 1 कार्यदिवस में पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न, कम जोखिम, अतिरिक्त पैसे को पार्क करने के लिए यह बेहतरीन विकल्प है।
- 6. कॉर्पोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट**  
कई कंपनियां बैंक एफडी से ज्यादा ब्याज पर एफडी ऑफर करती हैं।  
**ध्यान रखें:** कंपनी की क्रेडिट रेटिंग जरूर जांचें, केवल मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों में निवेश करें, ज्यादा रिटर्न के साथ जोखिम भी ज्यादा, जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठा सकते हैं, उनके लिए यह विकल्प उपयुक्त है।



## नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीकों से भी बढ़ा सकते हैं कमाई

अगर आप भी नौकरीपेशा हैं और सिर्फ सैलरी पर ही जीवन काट रहे हैं तो आप अपनी गुजर बसर तो कर लेंगे, लेकिन अच्छा पैसा एकत्र नहीं कर पाएंगे। ऐसे में नौकरी के साथ कुछ छोटा मोटा स्टार्टअप शुरू करें और अपनी पूंजी को बढ़ाएं। पैसा कमाने के कुछ स्मार्ट तरीके भी हो सकते हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। एक अच्छी नौकरी जिंदगी को स्थिरता देती है, लेकिन बदलते समय में सिर्फ सैलरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। आज के दौर में एक अच्छी नौकरी मिलना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। नौकरी आपको हर महीने तय इनकम देती है, जिससे घर चलता है, बच्चों की पढ़ाई होती है और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां पूरी होती हैं, लेकिन बदलते समय के साथ सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। कंपनी की स्थिति बदली, बाजार में मंदी आई या आपकी भूमिका खत्म हुई तो पूरी फाइनेंशियल प्लानिंग हिल सकती है। इसलिए अब नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीके से कमाई बढ़ाने की जरूरत है।

### नौकरी को बनाएं अपनी सबसे मजबूत नींव

कमाई बढ़ाने का पहला और सबसे मजबूत रास्ता आपकी नौकरी से ही शुरू होता है। अपनी रिकवर्स को अपडेट करना, नई जिम्मेदारियां लेना और खुद को कंपनी के लिए ज्यादा वैल्यूएबल बनाना लंबे समय में सैलरी और प्रमोशन दोनों दिला सकता है। हर किसी के पास कोई न कोई टैलेंट होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोग उसे सिर्फ शौक तक सीमित रखते हैं, जबकि कुछ उसे कमाई का जरिया बना लेते हैं। अगर आपके पास समय और एनर्जी है, तो पढ़ना, कंटेंट लिखना, डिजाइन, ऑनलाइन कोर्सिंग या डिजिटल काम जैसे साइड प्रोजेक्ट शुरू किए जा सकते हैं। शुरूआत में ही छोटी हो, लेकिन समय के साथ यही साइड इनकम आपकी बड़ी फाइनेंशियल ताकत बन सकती है। सबसे अच्छी बात यह है कि इससे आपकी नौकरी पर कोई सीधा दबाव नहीं पड़ता।

### कमाई बढ़ाने का साइलेंट हथियार है निवेश

काम करके पैसा कमाना जरूरी है, लेकिन पैसे से पैसा बनाना भी उतना ही अहम है। निवेश वह तरीका है जो बिना शेर किए आपकी संपत्ति को धीरे-धीरे बढ़ाता है। नियमित एसआईपी, लॉन्ग-टर्म फंड्स या सुरक्षित विकल्प आपकी भविष्य की बड़ी जरूरतों के लिए तैयार करते हैं। निवेश आपको आज अभी नहीं बनाता, लेकिन कल के लिए मजबूत बनाता है। जो लोग जल्दी इसकी आदत डालते हैं, वे आगे चलकर ज्यादा तनाव-मुक्त रहते हैं।

### इंश्योरेंस कमाई बचाने की ढाल

कमाई बढ़ाने के साथ-साथ उसे सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। हेल्थ इंश्योरेंस अचानक आने वाले मेडिकल खर्चों से बचाता है और लाइफ इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। कई लोग इसे खर्च समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन अचानक में यह आपकी कमाई की सुरक्षा कवच होता है। सही समय पर लिया गया इंश्योरेंस सालों की मेहनत को एक झटके में खत्म होने से बचा सकता है।

### नई रिकवर्स से खुलेंगे नए रास्ते

आज का जॉब मार्केट तेजी से बदल रहा है। जो स्किल्स आज काम की हैं, जल्दी नहीं की कल में उतनी ही जरूरी रहें। इसलिए लगातार सीखते रहना अब विकल्प नहीं, मजबूरी बन चुका है। नई रिकवर्स आपको सिर्फ नई नौकरी ही नहीं, बल्कि साइड इनकम और बेहतर प्रॉब्लेम्स मीके भी दिला सकती हैं। जब आपके पास विकल्प होते हैं, तो आप ज्यादा आत्मविश्वास और सुरक्षित महसूस करते हैं।  
**लाइफटाइम और कमाई में संतुलन जरूरी**  
कमाई बढ़ाने के साथ खर्च बढ़ाना स्वाभाविक है, लेकिन अगर सारा पैसा सिर्फ बेहतर लाइफस्टाइल में ही चला जाए, तो भविष्य फिर भी अस्थिर रहता है। समझदारी इसी में है कि इनकम बढ़ाने पर बचत और निवेश भी उसी अनुपात में बढ़ें। इससे आप आज की जिंदगी का मजा भी तो पाएंगे और कल की चिंता भी कम रहेगी।

## माता-पिता को सही प्लानिंग करनी होगी, तभी वे बच्चों के सपने पूरे कर पाएंगे

बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाएं

## बढ़ती महंगाई के दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए प्लानिंग जरूरी, आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया

**योजना**  
बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ती महंगाई ने आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया है। खासतौर पर बच्चों की शिक्षा, जो कभी एक सामान्य खर्च मानी जाती थी, अब माता-पिता के लिए सबसे बड़ी वित्तीय जिम्मेदारी बन चुकी है। स्कूल से लेकर कॉलेज और फिर उच्च शिक्षा तक, फीस में हो रही बढ़ोतरी सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा है। इंटरनेशनल बोर्ड, विदेश में पढ़ाई, प्रोफेशनल और स्पेशल कोर्स, हॉस्टल और रहने का खर्च ये सभी मिलकर शिक्षा को और महंगा बना रहे हैं। ऐसे समय में अगर माता-पिता अभी से सही प्लानिंग नहीं करते, तो भविष्य में बच्चों के सपनों से समझौता करना पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते एक ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाई जाए। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि बच्चों की शिक्षा के लिए शुरू से ही कैसे रणनीति बनाएं।

### एसआईपी की जल्दी शुरूआत करें

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है जल्दी शुरूआत। जितना जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे, उतना ही ज्यादा आपका कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, शिक्षा फंड बनाने का एक बेहद कारगर तरीका है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और लंबी अवधि में निवेश बेहतर रिटर्न दे सकता है। अगर बच्चे की उम्र कम है, तो आप इक्विटी आधारित फंड में ज्यादा निवेश कर सकते हैं, क्योंकि लंबा समय जोखिम को संतुलित कर देता है।

### समय के साथ निवेश में बदलाव

कई माता-पिता बच्चों की शिक्षा के लिए सिर्फ एक ही तरह के निवेश पर निर्भर रहते हैं, जो आगे चलकर जोखिम भरा हो सकता है। सही रणनीति यह है कि समय के हिसाब से निवेश का संतुलन बदला जाए। जब बच्चा छोटा हो, तब इक्विटी फंड में निवेश ज्यादा रखा जा सकता है। लेकिन जैसे-जैसे कॉलेज या उच्च शिक्षा का समय नजदीक आता है, वैसे-वैसे जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। ऐसे समय में डेट फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), सेविंग अकाउंट या शॉर्ट-टर्म इंट्रमैट जैसे सुरक्षित विकल्पों में पैसा शिफ्ट करना समझदारी होती है। इससे बाजार गिरने की स्थिति में फीस के समय पैसों की कमी नहीं होगी।



### केवल फीस नहीं, पूरे खर्च का रखें ध्यान

अक्सर माता-पिता शिक्षा की प्लानिंग करते समय सिर्फ ट्यूशन या कॉलेज फीस को ही ध्यान में रखते हैं, जबकि असल खर्च इससे कहीं ज्यादा होता है। बच्चों की उच्च शिक्षा से जुड़े कई अतिरिक्त खर्च होते हैं, जैसे: हॉस्टल या रहने का खर्च, किताबें और स्टडी मटेरियल, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य गैजेट्स, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, एप्लिकेशन और एंटरटेनमेंट फीस, इंटरनेट और प्रोजेक्ट से जुड़े खर्च आदि। अगर बच्चा विदेश में पढ़ाई करना चाहता है, तो वहां रहने, वीजा, बीमा और ट्रेवल का खर्च और भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए शिक्षा फंड बनाने समय इन सभी खर्चों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

### एजुकेशन लोन के लाभ

- रिटायरमेंट फंड को सुरक्षित रखता है
- एकमुश्त निवेश निकालने का दबाव कम करता है
- टेक्स में छूट का लाभ मिल सकता है
- पढ़ाई के बाद बच्चा खुद लोन चुकाने में सक्षम होता है
- हालांकि, लोन लेने से पहले उसकी ब्याज दर, चुकाने की अवधि और भविष्य की आय को जरूर ध्यान में रखें।

### लक्ष्य आधारित निवेश योजना बनाएं

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश करते समय लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। किस उम्र में, किस देश में और किस कोर्स के लिए पढ़ाई करानी है। जब लक्ष्य साफ होता है, तो सही निवेश विकल्प चुनना आसान हो जाता है। इसके लिए आप एजुकेशन एसआईपी, चाइल्ड फंड, बैलेंस्ड म्यूचुअल फंड, डेट और इक्विटी का मिश्रण जैसे विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं। समय-समय पर अपनी योजना की समीक्षा करना भी जरूरी है, ताकि बदलती जरूरतों के अनुसार निवेश में सुधार किया जा सके।

### योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत

बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा की योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन चुका है। केवल एसआईपी शुरू कर देना ही काफी नहीं है, बल्कि सही समय पर निवेश, जोखिम का संतुलन, अन्य खर्चों की गणना और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन का समझदारी से इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। अगर माता-पिता आज से सही निवेश योजना बनाते हैं, तो आने वाले समय में बच्चों के सपनों को पूरा करने में कोई आर्थिक बाधा नहीं आएगी। सही प्लानिंग न सिर्फ बच्चों का भविष्य सुरक्षित करती है, बल्कि माता-पिता को भी मानसिक शांति देती है।









**बोल्ड कैसल अमेरिका**

बोल्ड कैसल एलेक्जेंड्रिया बे, न्यूयॉर्क में हार्ट आइलैंड पर स्थित एक शानदार ऐतिहासिक महल और लोकप्रिय पर्यटन केंद्र है। इसे जॉर्ज सी बोल्ड ने अपनी पत्नी लुईस के लिए, अपने प्यार की निशानी के तौर पर बनवाना शुरू किया था। लेकिन लुईस के निधन के बाद यह अधूरा रह गया। यह एक छह मंजिला, 120 कमरों वाली राइनलैंड शैली की संरचना है, जिसमें सुरंगें, इटालियन उद्यान, एक ड्रॉब्रिज और एक ओपेस्टर टॉवर नामक बच्चों का प्लेहाउस भी है। इसका निर्माण 1900 में शुरू हुआ था, लेकिन जनवरी 1904 में लुईस की अचानक मृत्यु के बाद, जॉर्ज बोल्ड का मन टूट गया। फिर उन्होंने इसे अधूरा छोड़ दिया। लेकिन यह अधूरा स्मारक, प्रेम की निशानी के तौर पर दुनिया भर में जाना जाता है।

**शैटो डी चेनोसो फ्रांस**

महिलाओं का महल कहे जाने वाले इस महल की दीवारों में कई प्रेम कहानियां और रानियों के किस्से छिपे हैं। शैटो डी चेनोसो को अक्सर 'प्यार और प्रतिद्वंद्विता की निशानी' के रूप में देखा जाता है। इसकी कहानी एक प्रसिद्ध शाही प्रेम त्रिकोण से संबंधित है। दरअसल, वर्ष 1547 में फ्रांस के राजा हेनरी द्वितीय ने इस महल को अपनी प्रेमिका डायने डी पोइटियर्स को उपहार स्वरूप दिया था, जिसे वह गहरा प्रेम करते थे। डायने ने ही शेर नदी पर वह प्रसिद्ध मेहराबदार पुल बनवाया था, जो आज इस महल की सबसे बड़ी पहचान है। लेकिन हेनरी की मृत्यु के बाद, उनकी पत्नी रानी कैथरीन डी मेडीसी ने ईर्ष्यावश डायने को इस महल से निकाल दिया और खुद इस पर कब्जा कर लिया।

**जूलियट का घर इटली**

इटली देश के वेरोना में स्थित 'कासा डी गियुलियेट्टा' विलियम शेक्सपियर के पात्रों रोमियो और जूलियट के अमर प्रेम की याद दिलाता है। जूलियट का घर कासा डी गियुलियेट्टा, 13वीं सदी

**वेगिसाल / शिखर चंद्र जैन**

दुनिया भर में अलग-अलग स्थानों पर प्रेम के ऐसे स्मारक मौजूद हैं, जो अमर प्रेम की कहानियों के गवाह हैं। ये ऐतिहासिक स्मारक न केवल अब विश्व धरोहर माने जाते हैं, बल्कि पर्यटकों को आकर्षित भी करते हैं। प्रेम को समर्पित ये शानदार निशानियां, हर प्रेमी युगल को प्रेरित भी करते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

**अद्वितीय-लाजवाब-शानदार विश्व प्रसिद्ध प्रेम के स्मारक**

की एक ऐतिहासिक इमारत है। यह प्रसिद्ध 'रोमियो और जूलियट' नाटक से प्रेरित एक प्रमुख पर्यटक स्थल है, जहां आंगन में आइकॉनिक बालकनी और जूलियट की कांस्य मूर्ति है। हालांकि जूलियट एक काल्पनिक पात्र है, लेकिन यह घर रोमांस के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध है। जूलियट की मूर्ति के बारे में ऐसी मान्यता है कि मूर्ति के दाहिने हाथ को छूने से प्यार में सौभाग्य मिलता है।

**कोरल कैसल अमेरिका**

आपको जानकर हैरानी होगी कि एक अमेरिकी व्यक्ति एडवर्ड लीडस्कैलिन ने अपनी प्रेमिका के लिए कोरल कैसल नामक भवन खुद ही अकेले बनाया था। यह उसके प्रेम की अदृष्ट शक्ति को दर्शाता है। फ्लोरिडा के होमस्टेड में स्थित कोरल कैसल एक रहस्यमयी पत्थर का ढांचा है, जिसे लैटिन अमेरिकी प्रवासी एडवर्ड लीडस्कैलिन ने 1923-

1951 के बीच अकेले बनाया था। 1,100 टन से अधिक कोरल चट्टान से निर्मित, इस संरचना में तराशे गए कई बड़े पत्थर, दीवारें और फर्नीचर शामिल हैं, जिसे 'फ्लोरिडा का स्टोनहेंज' भी कहा जाता है। एडवर्ड का कद मात्र 5 फीट और वजन 100 पाउंड था, फिर भी उन्होंने बिना किसी आधुनिक मशीनरी के लगभग 1,100 टन वजनी पत्थरों को काटकर और तराशकर यह महल खड़ा किया था। उन्होंने यह काम लगभग 28 वर्षों तक गुप्त रूप से किया। दरअसल, अपनी मंगेतर (एग्नेस) द्वारा शादी से एक दिन पहले रिश्ता तोड़ देने के बाद, टूटे दिल के साथ एडवर्ड ने इसे एक प्रेम स्मारक के रूप में बनाया था।

**एलेनोर क्रॉसेस इंग्लैंड**

एलेनोर क्रॉसेस, 13वीं शताब्दी के अंत में इंग्लैंड के राजा एडवर्ड प्रथम द्वारा अपनी पत्नी एलेनोर ऑफ कैस्टिल की याद में बनवाए गए 12 क्रॉस मेमोरियल हैं। वर्ष 1290 में एलेनोर की मृत्यु के बाद, दुःखी होकर राजा ने उनके अंतिम संस्कार की यात्रा के दौरान लंदन से लंदन के बीच प्रत्येक पड़ाव (रात्रि विश्रामस्थल) पर पत्थर के ये भव्य क्रॉस बनवाए थे। इनमें से अब केवल तीन- गॉडगटन, हार्डिंगस्टोन और वाल्थम, मूल रूप में बचे हैं। \*

**सबसे अनोखा ताजमहल-शालिमार बाग**

शालिमार बाग को मुगल बादशाह जहांगीर ने 1619 में अपनी पत्नी नूरजहां के लिए बड़े मन से बनवाया था। शालिमार बाग, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) में स्थित एक प्रसिद्ध मुगल गार्डन है, जिसे श्रीनगर का ताज भी कहा जाता है। यह बाग चहार बाग शैली पर आधारित है और तीन खतों में विभाजित है, जो जल निकासी और फव्वारों से सुसज्जित हैं। यहां मौजूद चिह्नार के पेड़, रंग-बिरंगे फूल, दीवान-ए-खास और दीवान-ए-आम जैसे मंडप, पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह डल झील के दाहिने किनारे पर स्थित है और युनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल है।

**अपने देश भारत में भी प्रेम की दो वेगिसाल निशानियां मौजूद हैं।**

मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनाया गया सफेद संगमरमर का मकबरा ताजमहल, दुनिया में प्यार का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। ताजमहल, भारत ही नहीं दुनिया भर में निरसंदेह 'प्यार की सबसे खूबसूरत निशानी' माना जाता है। इसका निर्माण 1631 में शुरू हुआ और 1653 में पूरा हुआ। इसे बनाने में लगभग 22,000 मजदूरों और शिल्पकारों ने काम किया था। इसे राजस्थान के मकराना से लाए गए शुद्ध सफेद संगमरमर से बनाया गया, जिस पर कौमती पत्थरों की पत्थीकारी की गई है।



आमतौर पर माना जाता है कि अगर आप सिंगल हैं यानी आपको कोई लव या लाइफ पार्टनर अब तक नहीं है तो वैलेंटाइन-डे आपको मायूस कर देगा। लेकिन ऐसा नहीं है। आप अलग अंदाज में अपने साथ ही वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं।

**सिंगल हैं तो क्या हुआ खुद के साथ करें सेलिब्रेट**

हुआ? आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। इसमें गम मनाने की तो कोई बात नहीं। सिंगल के गुण को ज्यादा न करें और अपने सिंगल हूड को एंजाय कर लें।

**शादीशुदा भी तो खुश नहीं**

अगर आपने अभी तक शादी नहीं की या किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं तो उनके बारे में सोचो, जो कपलस शादी करके भी अक्सर परेशान रहते हैं। उनसे पूछकर देखें तो वो बताएंगे कि जिन हालात में वो हैं, इससे तो अच्छा था वो शादी ही न करते। इस तरह अपने सिंगल हूड को अपनी उन्नति के लिए एक बड़ी उपलब्धि समझते हुए उसे एंजाय करें। आप जो हैं, जैसे हैं, उसी में संतुष्ट रहें।

**अकेले होने का गम कैसा**

आजकल ऐसे तमाम ग्रुप और क्लब हैं, जहां सिंगल लोग एक-दूसरे के साथ को एंजाय करते हैं। वे आपस में मिलकर पार्टी करते हैं या कहीं घूमने का प्रोग्राम बनाते हैं यानी सिंगल हूड कोई कमी होने का पर्याय नहीं है। आप अपने आपको किस रूप में देखना चाहते हैं, यह ज्यादा अहम है। हमें अपने आसपास ऐसे तमाम पुरुष और महिलाएं मिल जाएंगी, जिन्होंने अपने मन से सिंगल रहना चुना है। वे अकेले रहकर अपनी जिंदगी को बहुत ही अच्छे तरीके से जी रहे हैं। इसलिए सिंगल हूड के कई फायदे होते हैं, इसे भी समझें।

**सोच समझकर बनाएं रिलेशन**

आपके सर्कल में रहने वाले लड़के या लड़कियां अगर सभी किसी न किसी रिलेशनशिप में हैं और आप उनमें अकेले सिंगल हैं, तो अगर वे जबदस्ती आपको किसी के साथ रिलेशनशिप में आने, डेटिंग संबंधी सलाह देने या जबदस्ती किसी के साथ इनवॉल्व करने की कोशिश करें तो ऐसे लोगों से दूरी बना लें। क्योंकि सिंगल होने का मतलब किसी की दया का पात्र होने का नहीं है, जो लोग सिंगल होने को कमतर या बदकिस्मती समझ लेते हैं, उन्हें यह जता दें कि आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। किसी के साथ बुरे रिलेशनशिप में रहने से सिंगल होना आपको ज्यादा दिमागी सुकून देता है। प्यार का रिश्ता भले ही देर से बने लेकिन यह रिश्ता प्यारा, मजबूत और समझदारी से भरा होना चाहिए। \*

**अलग नजरिया नगता नदीम**

हर वर्ष 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन-डे पर सोशल मीडिया कपलस की तस्वीरों से भरा रहता है। माना जाता है कि ऐसे लोग जो किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं, उन्हें यह दिन काफी चुभता है, इस दिन उन्हें अकेलेपन की पीड़ा भीतर तक सालती है। अगर आपका भी कोई पार्टनर नहीं है, आप खुद को अधूरा महसूस करते हैं तो यह सोच सही नहीं है। हम आपको बताते हैं कि कैसे अपने अकेलेपन को दूर कर, यह दिन मना सकते हैं?

**खुद से ही प्यार करें**

अगर आपके साथ कोई सलौन न हो तो खुद को ही अपना वैलेंटाइन बनाएं। खुद को गिफ्ट करें। अकेले जाकर किसी रेस्टोरेंट में खुद को ट्रीट दें। दूसरे लोगों को एक साथ देखकर उनसे अपनी तुलना करके परेशान न हों। इससे अगर कोई आपके साथ न भी हो तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

**क्या हुआ जो बैचलर हैं**

अगर आपने अभी तक शादी के लिए किसी का चुनाव नहीं किया या कोई ऐसा पार्टनर आपको नहीं मिला, जिसके साथ आप जीवनभर चलने का संकल्प ले सकें, तो क्या



कि एक दूसरे के गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड हों। आप भी इस तरह किसी से दोस्ती करके उस दोस्ती को भी एंजाय कर सकते हैं। जो टीनएजर अपने सिंगल हूड स्टेटस को लेकर परेशान होते हैं, उन्हें अपने करियर पर फोकस करने की ज्यादा जरूरत है। क्योंकि यही वह उम्र है, जब किसी से रिलेशनशिप में रहकर अपने जीवन में तनाव पालने की बजाय करियर पर फोकस करना भविष्य के लिए ज्यादा अच्छा होता है।

**सिने-ट्रेंड अशोक जोशी**

जब से हिंदी फिल्मों का निर्माण शुरू हुआ है, फिल्मकारों का सबसे प्रिय विषय प्रेम ही रहा है। अधिकांश फिल्मों में किसी न किसी रूप में प्रेम मौजूद रहता ही है। लेकिन कई ऐसी माइलस्टोन फिल्मों भी बनी हैं, जो ऐतिहासिक या लोकचर्चित पात्रों की प्रेमकथाओं पर आधारित रही हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

**खूब पसंद की गई ऐतिहासिक प्रेम कहानियां**

हमारे यहां ऐसे कई ऐतिहासिक पात्र हुए हैं, जिनकी प्रेमकथाएं पढ़ें पर ज्यादा सफल हुई हैं। इस क्रम में सबसे ज्यादा सफल फिल्म के आसिफ की 'मुगले आजम' को माना जाता है। इस फिल्म में पृथ्वीराज कपूर ने अकबर, दिलीप कुमार ने सलीम और मधुबाला ने अनारकली की भूमिका में जान डाल दी थी। भव्य सेट, दिलचस्प संवाद और कर्णप्रिय गानों के बल पर यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा सफल फिल्मों में शामिल है। इसी के आसपास बनी 'अनारकली' में प्रदीप कुमार और बीना राय ने अभिनय किया था। सी. रामचंद्र ने इसके लिए मधुर संगीत रचा था। यह फिल्म भी सफल रही। मुगलकाल के एक और प्रेम प्रसंग पर आधारित 1963 में बनी फिल्म 'ताजमहल' शाहजहां और मुमताज महल के प्रेम पर आधारित थी। इस रंगीन फिल्म में विशोपा रोशन का मधुर संगीत था। इसके गीत 'जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा' और 'पांव चू लेने दो' आज भी बहुत पसंद किए जाते हैं। इसके बाद आशुतोष गोवारीकर ने फिल्म 'जोधा-अकबर' में अकबर और जोधाबाई की प्रेमकहानी को पढ़ें पर उतारा। साठ और सत्तर के दशक में ऐतिहासिक प्रेम कथाओं पर आधारित जो श्वेत-श्याम फिल्में बनीं उनमें मांडू के अंतिम सुलतान बाज बहादुर और एक गड़रिया की गाथिका बेटी रूपमती की प्रेमकथा पर आधारित 1957 की फिल्म 'रानी रूपमती' में भारत भूषिका और निरूपा राय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसी तरह फिल्म के राजा चंद्रगुप्त और ग्रीस की हेलेना की युद्ध के बाद प्रेम में बदली कहानी पर 1959



कहानी पर आधारित फिल्म 'रजिया सुल्तान' का दो बार निर्माण हुआ। 1961 में जयराज और निरूपा राय मुख्य भूमिकाओं में थे तो 1983 में बनी 'रजिया सुल्तान' को धर्मेन्द्र और हेमामालिनी की जोड़ी के लिए जाना जाता है। मगध के राजा बिंबसार और वैशाली की नगरवधु आम्रपाली की प्रेम कहानी पर आधारित लेख टंडन की फिल्म 'आम्रपाली' में सुनील दत्त और बनी भूषिका ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म के गाने कर्णप्रिय थे, इसके बावजूद यह फिल्म नहीं चली। इसी तरह ऐतिहासिक प्रेमकथाओं पर आधारित 'नूरजहां', 'यहूदी' भी नहीं

अपने आरंभिक काल से ही प्रेम आधारित कहानियों पर हिंदी फिल्में बनती रही हैं। बदलते समय और दर्शकों की पसंद के अनुसार ऐतिहासिक और लोकचर्चित प्रेम कहानियों का फिल्मी रूपांतरण होता रहा है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

**फिल्मी पढ़ें पर खूब दिखती रही हैं ऐतिहासिक-लोकचर्चित प्रेमकथाएं**



'आम्रपाली' में सुनील दत्त के साथ वैजयंती माला



'मुगल-ए-आजम' में दिलीप कुमार-मधुबाला

में बनी फिल्म सम्राट 'चंद्रगुप्त' में भी भारत भूषण और निरूपा राय की जोड़ी थी। सन 1946 में पृथ्वीराज कपूर और मीना कुमारी अभिनीत फिल्म 'पृथ्वीराज संयोगिता' बनी थी। जो इनके प्रेम पर आधारित थी। वर्ष 2022 में यशराज फिल्मस ने अक्षय कुमार-मानुषी छिल्लर अभिनीत फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' का निर्माण किया था। रजिया सुल्तान और याकूत की प्रेम

चल पाई। सन 1984 में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'उत्सव' प्राचीन संस्कृत नाटक 'मुच्छकटिकम्' पर आधारित थी। इसमें वसंत सेना (रेखा) और एक गरीब ब्राह्मण चारुदत्त (शेखर सुमन) की प्रेम कहानी को दर्शाया गया। इसका निर्माण शशि कपूर ने और निर्देशन गिरिश कर्नाड ने किया था। हालिया बरसों में संजय लीला भंसाली की मराठा पेशवा बाजीराव और बुंदेलखंड की राजकुमारी मस्तानी की प्रेम कहानी पर आधारित 'बाजीराव मस्तानी' ने सफलता के झंडे गाड़ दिए थे।

**लोक चर्चित प्रेम पर आधारित फिल्में**

'लैला-मजनू', 'हीर-रांझा', 'सोहनी-महिवाल', 'शोरी-फरहाद' ऐसी लोक कहानी पर आधारित फिल्म 'लैला-मजनू' भी सफल रही। लेकिन इन तमाम प्रेम कहानियों में 'हीर-रांझा' की प्रेम कहानी सबसे ज्यादा हिट हुई। 1970 में चेतन आनंद ने प्रिया राजवंश और राजकुमार को लेकर 'हीर रांझा' का निर्माण किया था। कहने का सार है कि इतिहास, पुराणों और लोक संस्कृति में प्रसिद्ध प्रेमकथाओं पर फिल्मों का निर्माण हमेशा से होता रहा है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो इन्हें दर्शक खूब पसंद भी करते हैं। \*

लोक चर्चित प्रेम कहानियां हैं, जो सदियों से सुनी और सुनाई जाती रही हैं। इन पर बनी अधिकांश हिंदी फिल्में सफल रही हैं। इन कहानियों में 'लैला-मजनू' पर सबसे ज्यादा फिल्में बनी हैं। इनमें 1953 में बनी शम्मी कपूर और नूतन अभिनीत और उसके बाद 1973 में



चर्चित प्रेम कहानियां हैं, जो सदियों से सुनी और सुनाई जाती रही हैं। इन पर बनी अधिकांश हिंदी फिल्में सफल रही हैं। इन कहानियों में 'लैला-मजनू' पर सबसे ज्यादा फिल्में बनी हैं। इनमें 1953 में बनी शम्मी कपूर और नूतन अभिनीत और उसके बाद 1973 में